

प्रेषक,

ओम प्रकाश,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
चिकित्सा शिक्षा विभाग,  
चन्दर नगर, देहरादून।

चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 15 दिसम्बर, 2015

विषय:- वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक-2210-05-105-03- 05-आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों हेतु अनुदान- आयोजनागत मानक मद-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता में प्राविधानित बजट की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-1336/XXVII (1)/2015 दिनांक 17 नवम्बर, 2015 में उल्लिखित निर्देशों तथा आपके पत्र संख्या-26प/चि0शि0/130/ 2015-16/9084 दिनांक 15 जुलाई, 2014 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि लेखाशीर्षक-2210-05-105-03- 05-आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों हेतु अनुदान - आयोजनागत मानक मद-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता में प्राविधानित धनराशि रु0 25,00,000/- लाख (रु0 पच्चीस लाख मात्र) के सापेक्ष इतनी ही धनराशि व्यय करने हेतु आपके निवर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबंधों/शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण वास्तविक आवश्यकतानुसार ही किया जाय तथा धनराशि का आहरण एवं व्यय मासिक आधार पर किश्तों में वास्तविक आवश्यकतानुरूप ही किया जायेगा एवं अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी और न ही अधिक व्ययभार सृजित किया जायेगा।
- बजट प्राविधान किसी भी लेखाशीर्षक/मद के अन्तर्गत व्यय की अधिकतम सीमा को ही प्राधिकृत करता है। अतः बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्ययभार/दायित्व सृजित किया जाय।
- व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय।
- स्वीकृत की जा रही धनराशि तथा व्यय धनराशि का लेखा जोखा रखा जायेगा। प्रशासनिक/बजट नियंत्रण अधिकारी द्वारा राजस्व एवं पूंजीगत पक्ष में बजट प्राविधान, अवमुक्त धनराशि तथा व्यय धनराशि का लेखा-जोखा रखा जाय एवं मासिक आधार पर इस का महालेखाकार से मिलान करते हुए मिलान की प्रमाणित विवरण वित्त अनुभाग-1 तथा बजट निदेशालय को प्रेषित किया जाय।
- किसी भी शासकीय व्यय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियमों, शासनादेशों आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- उक्त व्यय वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक-2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य-आयोजनागत-05-चिकित्सा शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान-105-पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति-03-05-आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों हेतु अनुदान-मानक मद-20 सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि क नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के शा0 सं0- 1336/XXVII(1)/2015 दिनांक 17 नवम्बर, 2015 में उल्लिखित दिशा निर्देश के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

5- उक्त स्वीकृति की कम्प्यूटर आई0डी0 संलग्न है।

भवदीय,

(ओम प्रकाश)

प्रमुख सचिव।

सं0-3853/XXVIII(1)/2015- 48(सा0)/2014 तदुद्दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड माजरा देहरादून।
2. आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. निदेशक कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. संबंधित वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी।
6. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03 एवं 01 उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 7. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(निर्मल कुमार)

अनु सचिव।